(ख) 31 मार्च, 1967 को समाप्त पिछले तीन वर्ष में उपयुक्त तीनों व्यापार समहों को दिये गये ऋणों का ब्यौरा इस प्रकार है :—

| व्यापार समूह | स्वीकृत ऋण की रकम (लाख रुपयों में) | ऋण की रकम जो दी जा चुकी है (लाख रुपयों में) | मुख्य शर्तें | |
|---|---|---|---|---|
| | | | ब्याज | अवधि वर्ष |
| 1. बिड़ला | 550.00 | 43.50 | 9 प्रतिशत वार्षिक, जिसे समय पर अदायगी होने पर घटाकर 8 प्रतिशत तक किया जा सकता है। | 13 |
| 2. टाटा | 70.00 | 70.00 | —यथोपरि— | 15 |
| 3. डालमिया | कुछ नहीं | कुछ नहीं | — | – |

(ग) उपर्युक्त भाग (क) के उत्तर को देखते हुए यह प्रश्न ही नहीं उठता ।

**मध्य प्रदेश के देहातों में बिजली लगाना**

3314. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) केन्द्रीय सरकार नें मध्य प्रदेश सरकार को राज्य के देहाती क्षेत्रों में बिजली लगाने तथा पंपिग सेट लगाने के लिये बिजली उपलब्ध करने हेतु अब तक कुल किती सहायता दी है;

(ख) कितने देहातों में बिजली लगाई गई है; और

(ग) केन्द्रीय सहायता से कितने पम्पिग सेटों के लिये बिजली उपलब्ध की गई ?

**सिंचाई और विद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव)** : (क) मध्य प्रदेश सरकार को गत तीन योजनाओं के दौरान ग्राम विद्युमतन कार्य के लिए निम्नलिखित वित्तीय सहायता ऋण के रूप में दी गई थी :—

| | | लाख रुपयों में |
|---|---|---|
| प्रथम योजना | नौकरियों के | 48.50 |
| द्वितीय योजना | अवसरों को | 40.00 |
| तृतीय योजना | बढ़ाने के लिए बिजली सुविधाओं में विस्तार | 611.83 |

(ख) और (ग). मध्य प्रदेश में जिन ग्रामों और पम्पों को 1966–67 (31–3–67) तक बिजली दी गई उनकी संख्या नीचे दी जाती है :—

| | |
|---|---|
| विद्युतिकृत ग्राम | 1,359 |
| ऊर्जित पम्प | 6,200 |

**विश्वायतन योगाश्रम, नई दिल्ली**

3315. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** :
**श्री शिवकुमार शास्त्री** :
**श्री मोलहू प्रसाद** :
**श्री राम सिंह अयरवाल** :
**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** :
**श्री अर्जुन सिंह भदौरिया** :
**श्री हुकम चन्द कछवाय** :

क्या **निर्माण, आवास तथा पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) क्या दिल्ली में जन्तर मन्तर रोड पर स्थित सरकारी भवन कई वर्ष पहले विश्वायतन योगाश्रम को किराये पर दिया गया था;

(ख) क्या उनके मंत्रालय द्वारा यह भवन दो वर्ष पूर्व खाली कराया गया था क्योंकि इस भवन का कई वर्ष का किराया नहीं दिय